Vol. 11 No. 2 Half Yearly R&D News Bulletin of CSR&TI, Berhampore December, 2017

EDITORIAL

It is my great pleasure to inform you all that the institute has completed 74 years of its journey since 15th October, 1943 and stepped on 75th year. On this occasion institute is celebrating **Platinum Jubilee Year.** It is the premiere research institute of its kind in India and started working directly under the administrative control of **"Ministry of Commerce and Industry ", Govt. of India in the name of Central Sericultural Research Station (CSRS).** In the year the 1969, it was brought under the technical & administrative control of **Central Silk Board (CSB).**

In 1971, policy for transfer of research findings from lab to land has been initiated through Human Resource Development (HRD) programme and extension services through field level functionaries at CSRS started in the year 1975-76. As a follow-up, in the year 1980, CSRS was renamed as **Central Sericultural Research & Training Institute (CSR&TI).** Since then this institute has been rendering outstanding services in the field of Sericulture to cater to the need of the farmers of Eastern & North-eastern zone in the areas of Research, Extension and HRD. The rich heritage of the institute is recognized and its contribution to the sericulture growth in the country is appreciated that leads to strengthen the national economy.

During the period, one worth mentioning event was, *Dr. Sanjeev Chopra, IAS, **Additional Chief Secretary, Dept of Agriculture**, Govt. of West Bengal* visited this premier research institute. Through this issue of news bulletin, I am continuing the contributions of the predecessors whose prudent leadership and relentless effort help in bringing this institute to the present level of national and international importance.

(Dr. Kanika Trivedy)
Director

RIGHT TO INFORMATION
सूचना का अधिकार

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

Chief Editor:	Dr. Kanika Trivedy, Director
Editor:	Dr. Dipesh Pandit, Scientist-D
Associate Editor:	Dr. Manjunatha, G. R, Scientist-B
Assistance:	Shri Subrata Sarkar, Tech. Assistant
	Smt. S. Karmakar, Tech. Assistant
	Shri Pradip Banerjee, Tech. Assistant

SOIL FERTILITY AND SOIL HEALTH CARD

At any food chain the bottom line is earth or soil, hence, to ensure healthy food chain, the status of soil fertility check-up is important in considering the role that the soil plays with regard to the availability of nutrients to plants. The nutrient requirement by plant varies with the type of plantation and number of crops taken per year.

When we speak about plant nutrients /fertilizer, Nitrogen (N), Phosphorous (P_2O_5) and Potassium (K_2O) are typical nutrients what we call macro nutrients, but besides N:P:K the other nutrients (Micro nutrients) essential for healthy growth of plants includes organic carbon, Sulphur (S), Zinc (Zn), Iron (Fe), Copper (Cu), Manganese (Mn) & Boron (B). These nutrients can be made available to plants through application of Farm Yard Manure, Vermi-compost and Chemical fertilizers etc. However, availability of those nutrients to plants depends on acidity and salinity of the soils as well. Therefore all together the 12 parameters should be tested to determine health of any soil or land. CSR&TI, Berhampore has taken up Soil Health Card project since November 2016, under a scheme launched by the Government of India in February 2015. Under this project, soil health cards along with soil test based recommendations are issued to mulberry farmers to improve productivity through judicious use of fertilisers.

However, following are general recommendations of $N:P_2O_5:K_2O$ chemical fertilizer and Farm Yard Manure application given by CSR&TI, Berhampore for West Bengal mulberry farmers:

For **"irrigated"** condition (5 crops per year): 2.6 ton FYM /bigha/year (in 2 split doses); 11 Kg DAP/bigha/crop; 17 Kg Urea/bigha/crop; 5 Kg MOP/bigha/crop.

For **"rainfed"** condition (2 crops per year): 1.3 ton FYM /bigha/year (in 2 split doses); 7 Kg DAP/bigha/crop; 20 Kg Urea/bigha/crop; and 6 Kg MOP/bigha/crop.

কেন্দ্রীয় রেশম বোর্ড
বস্ত্র মন্ত্রক : ভারত সরকার
Swasth Dhara, Khet Hara

মাটি স্বাস্থ্য কার্ড

কৃষকের বিবরণ

নাম	
ঠিকানা	সেনপাড়া
গ্রাম	সেনপাড়া
সাব ডিভিশন / ব্লক	করিমপুর-I
জিলা	নদীয়া
পিন কোড	741152
আধার নং	
মোবাইল নং	

মাটির নমুনার বিবরণ

মাটি নমুনার সংখ্যা	940
নমুনা সংগ্রহের সময়	10.05.17
সার্ভে নং	-
খতিয়ান / দাগ নং	/ 100
খামারের আয়তন	1.00 বিঘা
ভৌগলিক অবস্থান (জি. পি. এস.)	অক্ষাংশ : N23°58.693' দ্রাঘিমাংশ : E088°35.231'
সেচ সেবিত/ বৃষ্টি নির্ভর	সেচ সেবিত

কার্ড নং : কে.রে.গ.প্র.স./পি.ব./ 940
কৃষকের নাম : হেমন্ত মণ্ডল
কার্ডের বৈধতা : ৩ বছর

ল্যাবরেটরির নাম: কেন্দ্রীয় রেশম গবেষণা ও প্রশিক্ষণ প্রতিষ্ঠান, বহরমপুর, মুর্শিদাবাদ, পশ্চিম বঙ্গ

মাটি পরীক্ষার ফলাফল

ক্রম.	প্যারামিটার	টেস্ট মান*	একক	নিরীক্ষণ
1	পি. এইচ. (pH)	4.46	-	তীব্র আম্লিক
2	বৈদ্যুতিক পরিবাহিতা (EC)	1.39	মি.সে. /সেমি	লবণাক্ত নয়
3	জৈব কার্বন (OC)	0.85	শতাংশ (%)	বেশি
4	লভ্য নাইট্রোজেন (N)	44.53	কেজি/বিঘা	মধ্যম
5	লভ্য ফসফেট (P_2O_5)	4.34	কেজি/বিঘা	কম
6	লভ্য পটাশ (K_2O)	6.79	কেজি/বিঘা	কম
7	লভ্য সালফার (S)	4.84	কেজি/বিঘা	বেশী
8	লভ্য জিংক (Zn)	2.03	এমজি/ কেজি	পর্যাপ্ত
9	লভ্য বোরন (B)	2.30	এমজি/ কেজি	পর্যাপ্ত
10	লভ্য লোহা (Fe)	23.00	এমজি/ কেজি	পর্যাপ্ত
11	লভ্য ম্যাঙ্গানিজ (Mn)	8.55	এমজি/ কেজি	পর্যাপ্ত
12	লভ্য কপার (Cu)	11.30	এমজি/ কেজি	পর্যাপ্ত

আনুষঙ্গিক ও পরিপোষক আহার সংক্রান্ত সুপারিশ

ক্রম.	পরিপোষক উপাদান	মাটিতে প্রয়োগের সুপারিশ মাত্রা
1	সালফার (S)	4.05 (কেজি/বিঘা/বছর)
2	জিঙ্ক (Zn)	প্রয়োজন নাই
3	বোরণ (B)	প্রয়োজন নাই
4	লোহা (Fe)	প্রয়োজন নাই
5	ম্যাঙ্গানিজ (Mn)	প্রয়োজন নাই
6	কপার (Cu)	প্রয়োজন নাই
	সাধারণ সুপারিশ মাত্রা	
1	খামার সার/ গোবরসার / কম্পোষ্ট	সেচ সেবিত : 2.70 (টন/বিঘা/বছর) বৃষ্টি নির্ভর : 1.35 (টন/বিঘা/বছর)
2	জৈব-সার	-
3	চুন	1567.8 - (কেজি/বিঘা/বছর)

লক্ষ্যমাত্রার ফলনের জন্য রাসায়নিক সার প্রয়োগের সুপারিশ মাত্রা

ফসল এবং প্রজাতি	ফলনের লক্ষ্যমাত্রা (টন/বিঘা/বছর)		এন : পি : কে সারের জন্য সুপারিশ মাত্রা (N : P_2O_5 : K_2O)	
তুঁত (মালবেরী) :	সেচ সেবিত	বৃষ্টি নির্ভর	উপাদান	পরিমাণ
1) এস ১৬৩৫	5.94 – 6.07	-	নাইট্রোজেন (N)	45.34 কেজি/বিঘা/বছর
2) এস ১	3.78 – 3.91	2.16 – 2.43	ফসফেট (P_2O_5)	30.36 কেজি/বিঘা/বছর
3) লোকাল	3.37 – 3.58	1.89 – 2.02	পটাশ (K_2O)	18.89 কেজি/বিঘা/বছর

2015 International Year of Soils
healthy soils for a healthy life

* প্রদত্ত প্রোটোকল অনুযায়ী 'মৃদাপরীক্ষক মিনি ল্যাব' ব্যবহার করে পরীক্ষাগুলি করা হয়েছে।

हिन्दी दिवस/ पखवाड़ा, 2017

केरेउअवप्रसं, बहरमपुर (प.बं.) में **दिनांक 01.09.2017 से 08.09.2017** तक विविध प्रतियोगिताओं यथा हिंदी टिप्पण व आलेखन, शब्दावली, निबंध, वाद-विवाद, सुलेख़ व श्रुतिलेख, राजभाषा प्रश्नोत्तरी (क्वीज), स्मृति परीक्षण [मेमोरी टेस्ट], हिंदी टंकण तथा तात्क्षणिक भाषण का सफल आयोजन किया गया ताकि संस्थान के अधिकारियों/ कर्मचारियों में राजभाषा हिन्दी के प्रति प्रेरणा व प्रोत्साहन की भावना संचारित होने के साथ ही साथ राजभाषा प्रावधानों के सम्यक कार्यान्वयन व अनुपालन में और भी गति आ सके। हिन्दी दिवस/ पखवाड़ा, 2017 के मुख्य समारोह का आयोजन **दिनांक 14.09.2017** के अपराह्न में संस्थान के प्रेक्षागृह में किया गया। समारोह की अध्यक्षता संस्थान की वैज्ञानिक-डी व निदेशक प्रभारी महोदया श्रीमती चंदना माजि द्वारा किया गया। समारोह के दौरान **श्री विजय वीर सिंह, प्राचार्य, केन्द्रीय विद्यालय, बहरमपुर महोदय मुख्य अतिथि** के तौर पर इस समारोह में विराजमान थे।

समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि व निदेशक प्रभारी महोदया श्रीमती माजि तथा उपस्थित अन्यान्य अधिकारियों के कर कमलों द्वारा शहतूत पौध में जल अर्पण और संस्थान के श्री पुलक मुखोपाध्याय, तकनीकी सहायक के मंगलाचरण से किया गया।

इस अवसर पर प्रबुद्ध व विशिष्ट जनों अर्थात् माननीय श्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री, भारत सरकार, श्री एम. के. हनुमन्तरायप्पा, अध्यक्ष, केन्द्रीय रेशम बोर्ड तथा श्री आर. सतीश कुमार, निदेशक वित्त व सदस्य सचिव [प्रभारी], केन्द्रीय रेशम बोर्ड से प्राप्त संदेश का पाठन किया गया। इस दौरान संस्थान के श्री आर. बी. चौधरी, सहायक निदेशक (राभा) द्वारा वर्ष 2016-17 की वार्षिक राजभाषा प्रगति व उपलब्धियों का विस्तृत ब्यौरा भी प्रस्तुत किया गया।

तत्पश्चात, समारोह में उपस्थित मुख्य अतिथि तथा संस्थान की निदेशक प्रभारी द्वारा संस्थान के संबद्ध केन्द्रों और इसके अनुभागों को वर्ष 2016-2017 के दौरान राजभाषा नीति तथा इसके प्रावधानों के कार्यान्वयन में उत्कृष्ट योगदान हेतु क्षेरेउअके, जोरहाट को राजभाषा चलशील्ड एवं प्रशस्ति-पत्र, क्षेरेउअके, कोरापुट को राजभाषा प्रशस्ति-पत्र, अनुसंधान विस्तार केन्द्र, अगरतला को राजभाषा चलशील्ड एवं प्रशस्ति-पत्र और महेशपुरराज को राजभाषा प्रशस्ति-पत्र समेत संस्थान के पीएमसीई प्रभाग को राजभाषा चलशील्ड एवं प्रशस्ति-पत्र, विस्तार प्रभाग को राजभाषा प्रशस्ति-पत्र, जैव-प्रौद्योगिकी अनुभाग को राजभाषा चलशील्ड एवं प्रशस्ति-पत्र एवं रेशमकीट रोग निदान अनुभाग को राजभाषा प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर प्रोत्साहित व पुरस्कृत किया गया।

इस दौरान पधारे मुख्य अतिथि एवं संस्थान की निदेशक प्रभारी महोदया श्रीमती चंदना माजि द्वारा हिन्दी पखवाड़ा, 2017 के दौरान आयोजित प्रतियोगितओं के विजेता प्रतिभागियों को क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार प्रदान किया और वर्ष 2016-17 के दौरान मूल रूप से राजभाषा हिन्दी में निष्पादित सरकारी कामकाज हेतु कुल 08 अधिकारियों/ पदधारियों को प्रोत्साहन स्वरूप नकद राशि एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर उन्हें राजभाषा हिन्दी के कार्यान्वयन के प्रति प्रेरित व प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर माननीय मुख्य अतिथि द्वारा अपने अभिभाषण में यह उदगार व्यक्त किया कि हिन्दी अपनी सरलता और सहजता के कारण अब सिर्फ़ राष्ट्रीय स्तर तक सीमित न रहकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी एक अलग पहचान बना चुकी है।

सर्वशेष में संस्थान के कनिष्ठ अनुवादक [हिंदी] द्वारा इस दौरान पधारे मुख्य अतिथि समेत संस्थान के समस्त अधिकारियों/ पदधारियों को इस समारोह को सफल बनाने में प्रदत्त सहयोगिता व प्रतिभागिता के लिए धन्यवाद ज्ञापन के साथ समारोह की समाप्ति की घोषणा की गई।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 34वीं बैठक

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बहरमपुर (प.बं.) की 34वीं बैठक संस्थान की निदेशक महोदया, डॉ. कणिका त्रिवेदी, की अध्यक्षता में दिनांक 18.09.2017 को अपराह्न 3.00 बजे केन्द्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, बहरमपुर में संपन्न हुई। इस बैठक में राजभाषा विभाग से पधारे श्री निर्मल कुमार दुबे, अनुसंधान अधिकारी[कार्यान्वयन] द्वारा राजभाषा प्रावधानों के सम्यक अनुपालन व कार्यान्वयन की दिशा में संस्थान तथा नराकास, बहरमपुर के सदस्य कार्यालयों का ध्यान आकृष्ट करते हुए बहुमूल्य सुझाव दिया।

हिन्दी कार्यशाला:

केरेउअवप्रसं, बहरमपुर [प.बं.] में **दिनांक 18.09.2017** को **"राजभाषा के विकास में सूचना प्रौद्योगिकी का योगदान"** विषयक एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का प्रमुख उद्देश्य अधिकारियों/ पदधारियों को राजभाषा हिंदी के प्रावधानों के सम्यक जानकारी देने के साथ ही राजभाषा विभाग द्वारा हिंदी के कार्यान्वयन में और भी गतिशीलता लाने की दृष्टि से राजभाषा विभाग द्वारा विकसित ई-टूल्स यथा मंत्रा, ऑनलाइन हिंदी शिक्षण, श्रुतलेखन आदि कतिपय उपकरणों की जानकारी/व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना था। इस दौरान संस्थान के कुल 24 अधिकारियों को राजभाषा नीति व इसके उपबंधों के सठीक अनुपालन और तत्संबंधी क्रियान्वयन विधियों से अवगत कराया गया।

प्रारंभ में संस्थान की निदेशक डॉ. कणिका त्रिवेदी महोदया द्वारा क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय[पूर्व क्षेत्र], गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, भारत सरकार, कोलकाता से पधारे अतिथि वक्ता श्री निर्मल कुमार दुबे, अनुसंधान अधिकारी [कार्यान्वयन] को पुष्प पौध से स्वागत तथा उन्हें हिंदी कार्यशाला के संचालन हेतु आमंत्रित किया गया।

तत्पश्चात, श्री दुबे, अनुसंधान अधिकारी [कार्यान्वयन] ने राजभाषा हिंदी के लिए भारत सरकार द्वारा निर्धारित नियमों, उपबंधों व इसके प्रचार-प्रसार हेतु केन्द्र सरकार द्वारा समय-समय पर उठाए जा रहे नित-नए प्रयासों से सभी अधिकारियों को अवगत कराए । उन्होने हिंदी के अनुपालन संबंधी कठिनाईयों को दूर करने के सरल और सहज उपायों पर विशद रुप से प्रकाश डाला है और राजभाषा हिंदी से संबंधी अनुच्छेद 343 से 350 तक के अंतर्गत निहित नियमों तथा इसकी महत्व व उपयोगिता पर विस्तार पूर्वक चर्चा की।

कार्याशाला के समापन समारोह के दौरान संस्थान की निदेशक महोदया, डॉ. कणिका त्रिवेदी द्वारा अपने अध्यक्षीय अभिभाषण के दौरान इस बात पर हर्ष व्यक्त कि हैं की आज का हिंदी कार्यशाला अत्यंत ज्ञानवर्धक और रोचक रहा। उन्होने यह उम्मीद की हैं कि इससे सभी अधिकारियों को भरपूर लाभ मिलेगा और वे इसका उपयोग अपने दैनंदिन के सरकारी कामकाज सहजता पूर्वक निष्पादित कर सकेंगे। तत्पश्चात, निदेशक महोदया एवं श्री निर्मल कुमार दुबे, अनुसंधान अधिकारी [कार्यान्वयन] द्वारा इस अवसर पर उपस्थित सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण-पत्र भी प्रदान किया गया।

PLATINUM JUBILEE OF CSR&TI, BERHAMPORE

75th Foundation Day of this institute was celebrated on **15 & 16th October, 2017.**

On **15th October, 2017,** the Platinum Jubilee stone/Plaque was unveiled by the *Hon'ble Chairman of the Central Silk Board, Mr. K. M. Hanumantharayappa; Chief guest Dr. Sanjeev Chopra, IAS, Additional Chief Secretary, Dept of Agriculture, Govt. of West Bengal; Smt. Madhumita Chowdhury, IAS, Commissioner of Textiles & Sericulture, Govt. of W.B.; Dr. P. Ulganathan, IAS District Magistrate, Murshidabad, W.B.; Dr. A. Biswas, Principal, Govt. College of Textile and Engg., Berhampore; Dr. S. Nirmal Kumar, Former Director of this institute along with present Director, Dr. Kanika Trivedy, CSR&TI, Berhampore.*

Main programme of the **Foundation Day** was held on **16th October, 2017.** The programme was inaugurated by the Chief Guest and distinguished invitees through watering potted mulberry plant. The welcome address was given by the Scientist-D, Mori-I Division of this institute. She briefed about the chief guest, Chairman & all other dignitaries and greet them by a flower bouquet through our Hon'ble Director. She also greeted all other invitee guests, scientists, officers, staffs of the institute and all the students who were present on this important day.

Director, CSR&TI, Berhampore delivered the speech about the institute, its history and achievements of this institute since inception & the future plan towards the development of sericulture industry. Chief Guest & distinguished invitees delivered their speech to grace the special occasion.

During the occasion, the mulberry variety C-2038, silkworm hybrids *i.e.,* M_6DPC x (SK6 x SK7) [Multi x Bi] and B.Con.1 x B.Con.4 [Bi x Bi], Souvenir, News & Views [11(1) vol.] of this institute and two video Films [**(1) History of Murshidabad Silk & the Institute (2) The Institute Tour**] were released by the Hon'ble Guests.

A cultural programme has been organized to put charm of refreshment among the staffs and rejuvenates the family concept of the institute. The programme was finally ended with National Anthem.

A total number of **300 participants** with guests & media persons on this important day and all of them given a small kit containing program schedule & souvenir along with a small memento.

Addl. Chief Secretary, Dept. of Agriculture, Govt. of WB

Dist. Magistrate, Murshidabad district

CSB Chairman & other Dignitaries observing released video

IMPORTANT EVENTS

Dr. S. Ayyappan, **the Hon'ble Chairman RCC**, Central Silk Board visited this institute during 02.08.2017 to 04.08.2017. During his visit, the logo for the institute's platinum jubilee was released, the inaugural issue of quarterly Hindi magazine **"Resham Krishi Barta"** was unfurled and distributed 12 soil health cards to the seri-farmers under soil health card project. Dr. Chirantan Chattopadhyay, **the Hon'ble Chairman, RAC** of the institute was also present.

A team from **Bangladesh Sericulture Development Board (BSDB)** headed by Md. Atikur Rahaman visited this Institute on 18.07.2017 to observe the research and extension activities of mulberry sericulture.

An awareness programme on **"Implementation of GST and GeM"** was organised on 25.08.2017 to educate / update knowledge of the Scientists, Officers and officials. Mr. Goutam Das Gupta, Assistant Director, NACEN, Kolkata was invited as gusted faculty for the programme.

On 19.08.2017, on the eve of the **Sadbhavana Diwas**, the pledge was taken by all the scientists and officials of the institute.

SWATCHATA HI SEVA CAMPAIGN

CSR&TI, Berhampore celebrated the Swachhta Hi Seva (SHS) campaign on 15.09.2017 and continuing it up to 2nd Oct., 2017 at the institute and its nested units.

RSRS, Koraput organized a cleanliness drive campaign **"Swachhata Hi Seva"** (SHS) from 15th Sept. to 2nd Oct., 2017. Under this drive, the office campus and its adjacent villages, Gaudaguda and Landiguda were cleaned with the active participation of the people, village leaders and the officials on 23.09.2017 and 25.09.2017. Tips were given to keep away mosquitoes and flies by use of bleaching powder in drains, avoiding stagnation of water and adding a few drops kerosene in stagnant water. Slogans on cleanliness "**Swachhata starts at home"** were conveyed to the villagers.

RESHAM KRISHI MELA (RKM)

RSRS, Jorhat (Assam) organized a **Resham Krishi Mela cum Exhibition** on 07.12.2017. Ten (10) best sericulture farmers were awarded for their performance. An Exhibition was also organized displaying about the latest technologies on mulberry sericulture. A total of four hundred farmers participated in the Mela.

Sericulture exhibition held, reeling unit inaugurated

REC, Mongaldoi, BTC - Assam organized a **Mini RKM cum Exhibition** on mulberry sericulture on 04.12.2017. A total of 703 stakeholders participated in the Mela.

ওদালগুৰিত ৰেচম কৃষি মেলা
এৰী-মুগা-পাট পলু উৎপাদনত দেশৰ বাবে আদৰ্শ হ'ব বি টি চি

REC, Dimapur, Nagaland organized a **Mini RKM cum Exhibition** on 05.12.2017 on mulberry sericulture. A total of 144 stakeholders participated in the Mela.

REC, M.P. Raj, Jharkhnad organized a **Mini RKM on 10.11.2017.** Shri Umesh Mandal, BDO, M.P. Raj and Smt Kavita Mandal, Upa-Mukhiya of MP Raj Panchayat Samity were the Chief Guest and Guests of Honour respectively. A total of 130 farmers participated in the mela.

RSRS, Koraput, Odisha organized a **RKM cum Exhibition** on mulberry sericulture at Chandragiri, Gajapati district on 12.12.2017. About 105 farmers and 30 field functionaries of State sericulture participated in the Mela.

REC-Bhandra organized a **Mini RKM** with an exhibition on recent technologies of sericulture at on 03.11.2017. A total of 110 farmers participated at this Krishi Mela.

GUEST LECTURES

1. A guest lecture on **"Safety and Security"** was delivered by Shri Jibanesh Roy, DSP, Berhampore, Murshidabad on 22.07.2017.
2. A guest lecture on **"Civil defence and civil rules"** was delivered by Shri Mukesh Kumar, IPS, Superintendent of Police, Berhampore, Murshidabad on 16.08.2017.
3. A guest lecture on **"Mass production and use of egg parasitoid trichogramma"** was delivered by Dr. S. M. A. Mandal, Associate Professor, Entomology, Orissa University of Agriculture and Technology (OUAT), Bhubaneswar on 25.09.2017.
4. A guest lecture on **"Mass Communication"** was delivered by Shri Amartya Saha, Assistant Professor, New Alipore College, Kolkata on 20.10.2017.
5. A guest lecture on **"Acupressure – The Naturopathy"** was delivered by Shri Tapas Ghosh, Lecturer, Healthy India, Uttarpara, Hooghly on 20.11.2017.
6. On 18.12.2017, a guest lecture on **"Banking Awareness & Multi Retail Products"** delivered by Shri Dibyendu Bhattacharya, Regional Manager, SBI, Berhampore. Mr. Bhattacharya has discussed in detail on banking programme benefits. A total of 68 participants consisting of scientists /officers and officials participated and interacted with Regional Manager.

R&D REVIEW MEETING CONDUCTED

- **46th Meeting of Research Advisory Committee** held on **21st - 22nd August, 2017** at CSR&TI, Berhampore, WB.
- **47th Meeting of Research Council** held on **18th, 20th and 22nd November, 2017** at CSR&TI, Berhampore, WB.
- **Zonal Bivoltine Cluster Promotion (CPP)** Review meeting held on **23rd August, 2017** at CSR&TI, Berhampore, WB.
- **Extension Officers' meeting (EOM)** of Eastern and North-Eastern region held on **24th August, 2017** at CSR&TI, Berhampore, WB.
- **Video Conferencing (VC) meeting** with RSRSs [Jorhat (13-11-17), Kalimpong (14-11-17), Koraput (15-11-17) & REC Bhandra (16-11-17)]

ARTICLES FOR News & Views

Director, CSR&TI, Berhampore determined to publish this half yearly news bulletin regularly on promising research findings, ToT, Field Trials, Demonstrations, Farmers' Day, Training Programme and other important events. Officers and Staff members working at this Institute, RSRSs, RECs and Sub-RECs of Eastern and North Eastern states are requested to send their articles in favour of Director, CSR&TI, Berhampore, West Bengal for the said publication. Communication may also be made by E-mail to ***csrtiber.csb@nic.in / csrtiber@gmail.com***

Published by: **Dr. Kanika Trivedi, Director**
Central Sericultural Research & Training Institute
CENTRAL SILK BOARD, Ministry of Textiles, Govt. of India,
Berhampore-742101, Murshidabad, West Bengal, India
Phone: 03482-251046, FAX: 03482-251233 EPBAX: 253962/ 63 / 64
Email: csrtiber.csb@nic.in/ csrtiber@gmail.com web: www.csrtiber.res.in